Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

विक्रम साराभाई और इसरो

हालिया संदर्भ :

- *** भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक (Father of India Space Programme) विक्रम साराभाई का 30 दिसंबर 1971 को केरल के कोवलम में मात्र 52 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।
- अपने जीवन काल के दौरान साराभाई ने कुल 38 संस्थान स्थापित किए, जो वर्तमान में अंतरिक्ष अनुसंधान, भौतिकी, प्रबंधन एवं प्रदर्शन कला में भारत के अग्रणी संस्थानों में शामिल है।
- भारत के उनके बाद आने वाले सभी वैज्ञानिकों ने उन्हें अपना आदर्श माना है एवं ज्ञान, नेतृत्व और कृतज्ञता के लिए आभार जताया है।

Note :– पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक दिवंगत ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने उन्हें 'भारतीय विज्ञान जगत का महात्मा गांधी' कहकर संबोधित किया था।

सपने को सच करने की प्रतिबद्धता :

- अहमदाबाद में प्रमुख कपड़ा–मिल–मालिकों अंबालाल एवं सरला देवी के घर जन्मे साराभाई छोटी उम्र से रचनात्मक प्रवृत्ति के थे।
- जब वे केवल 15 वर्ष के थे, तभी उन्होंने 2 इंजीनियरों की मदद से एक ट्रेन इंजन का कार्यशील मॉडल बनाया, जो वर्तमान में अहमदाबाद के सामुदायिक विज्ञान केंद्र में रखा हुआ है।
- इस केंद्र में साराभाई बच्चों के साथ प्रयोगात्मक अनुसंधान करते थे।
- शुरुआती पढ़ाई के बाद साराभाई कैंब्रिज विश्वविद्यालय भौतिकी एवं गणित पढ़ने गए, लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ जाने के बाद उन्हें वापस भारत लौटना पड़ा।
- *** उन्होंने C.V. Raman के कहने पर भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु से PG की पढ़ाई की, जहां उनकी मुलाकात 'भारत के परमाणु कार्यक्रम के जनक' डॉ. होमी जहांगीर भाभा से हुई।
- PG के बाद वे कॉस्मिक किरणों के बारे में अध्ययन करने के लिए कैंब्रिज गए।

दिलचस्प कहानी :

- साराभाई एवं प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय नृत्यांगना मृणाली स्वामीनाथन की शादी 1942 में तब हुई, जब 'भारत छोड़ो' आंदोलन चरम पर था।
- साराभाई की सबसे बड़ी बहन मृदुला साराभाई को 'भारत छोड़ो' आंदोलन में नेतृत्व प्रदान करने के लिए गिरफ्तार कर लिया गया था।
- साराभाई की शादी में उनके ड्राइवर के अलावा उनके परिवार का कोई भी सदस्य शामिल नहीं हुआ था।

*** PRL की स्थापना :

- भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (PRL) भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत एक अनुसंधान संस्थान है, जिसकी स्थापना वर्ष 1947 में विक्रम साराभाई ने अहमदाबाद में की थी।
- यह भौतिकी, अनुसंधान, खगोलीय एवं अंतरिक्ष शोध के लिए स्थापित इस प्रकार की पहली संस्था है।

ISRO की ऐतिहासिक यात्रा :

- भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की देखरेख में 1961 में अंतरिक्ष अनुसंधान पर ध्यान दिया गया। इसके विकास के लिए इसे परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन रखा गया।
- *** होमी जहांगीर भाभा के नेतृत्व में 1962 में 'भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति' (INCOSPAR) का गठन किया गया, जिसके प्रथम अध्यक्ष विक्रम साराभाई बनाए गए।
- स्थापना के साथ ही INCOSPAR ने रॉकेट प्रक्षेपण कार्य शुरू कर दिया, जिसमें भूमध्य रेखा से समीपता ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

Note :– केरल में स्थित थुम्बा भू–मध्यीय रॉकेट अनुसंधान केंद्र भूमध्य रेखा के नजदीक स्थित है, जो इसे प्रक्षेपण–अनुकूल बनाता है।

- *** विस्तृत होते अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम को देखते हुए इसे परमाणु ऊर्जा विभाग से अलग कर दिया एवं 'अंतरिक्ष मिशन' के अंतर्गत 15 अगस्त 1969 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) की स्थापना की गई।
- *** जून 1972 में ISRO के बेहतर प्रबंधन के लिए अंतरिक्ष विभाग की स्थापना की गई।
- *** भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के इतिहास में 1975 का वर्ष महत्वपूर्ण है, जब USSR की सहायता से ISRO ने अपने प्रथम कृत्रिम उपग्रह 'आर्यभट्ट' का प्रक्षेपण किया।
- *** 1979 में भारत का द्वितीय प्रक्षेपण स्थल 'सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र' श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश) में स्थापित हुआ, जहां से 1980 में भारत ने देश का प्रथम स्वदेशी कृत्रिम उपग्रह 'रोहिणी–I' का प्रक्षेपण किया।

अंतरिक्ष, परमाणु विज्ञान एवं प्रसारण :

- अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए वायुमंडलीय क्षेत्रों की जांच के लिए पहला साउंडिंग रॉकेट 1967 में थुम्बा से लांच किया गया था।
- *** 1966 में होमी जहांगीर भाभा की आकस्मिक मौत (विमान दुर्घटना) हुई तब साराभाई ने परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष का पद संभाला।
- 1975 में NASA के सहयोग से एक उपग्रह लांच किया गया, जो गांवों में TV कार्यक्रम प्रसारित करने में मददगार था।

*** अंतरिक्ष यात्रा में महत्वपूर्ण तिथियां :

- 21 नवंबर 1963 – थुम्बा से पहले रॉकेट का प्रक्षेपण,
- 1965 – थुम्बा में अंतरिक्ष विमान एवं तकनीकी केंद्र की स्थापना,
- 1967 – अहमदाबाद में उपग्रह संचार केंद्र की स्थापना,
- 1972 – स्वतंत्र अंतरिक्ष विभाग की स्थापना,
- 11 अप्रैल 1975 – आर्यभट्ट का सफल प्रक्षेपण,
- 1979 – प्रयोगिक उपग्रह 'भास्कर–I' का प्रक्षेपण
- 1980 – SLV (Satellite Launch Vehicle)–3 की सहायता से रोहिणी उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया गया।
- 1984 – भारत के राकेश शर्मा USSR के सहयोग से अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बने।

*** विक्रम साराभाई द्वारा स्थापित प्रमुख संस्थान :

- भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद
- फास्टर ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर, कलपक्कम
- इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड
- यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड

*** ISRO के चेयरमैन :

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीललम्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

क्रम	नाम	पदावधि
1	विक्रम साराभाई	1963-1971
2	एम.जी.के. मेनन	1972
3	सतीश धवन	1972-1984
4	यू.आर. राव	1984-1994
5	के. कस्तूरीरंगन	1994-2003
6	जी. माधवन नायर	2003-2009
7	के. राधाकृष्णन	2009-2015
8	किरण कुमार	2015-2018
9	के. सिवन	2018-2022
10	एस. सोमनाथ	2022 से अब तक

MCQ–1 : निम्नलिखित कथनों में से कौन–सा/से कथन असत्य है/हैं–

1. विक्रम साराभाई ISRO के प्रथम अध्यक्ष बने, जबकि सतीश धवन का ISRO अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल सबसे लंबा रहा।
2. भारत ने USA की सहायता से 1975 में अपना पहला कृत्रिम उपग्रह 'आर्यभट्ट' प्रक्षेपित किया था।
3. भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद विक्रम साराभाई द्वारा स्थापित किया गया था।

a) केवल 1 एवं 2
b) केवल 1 एवं 3
c) केवल 3
d) केवल 2

Ans.–(d)

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीललम्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं